दिन–शनिवार दिनांक– 17 / 08 / 2024

प्रसार भारती
(भारत का लोक सेवा प्रसारक)
प्रादेशिक समाचार एकांश
आकाशवाणी, पटना

प्रसारणः– शाम 7.30 बजे से। अवधि– 15 मिनट

---

01. कोलकाता में महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या के विरोध में डॉक्टरों की देशव्यापी हड़ताल से स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ा व्यापक असर।

02. पटना एम्स, पीएमसीएच, एनएमसीएच समेत राज्य के विभिन्न अस्पतालों में ओपीडी सेवा ठप। इलाज नहीं होने के कारण मरीज और उनके परिजन पेरशान।

03. केन्द्र सरकार ने प्रदर्शनकारी डॉक्टरों को उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया। व्यापक जनहित में डॉक्टरों से कार्य पर लौटने की अपील की।

04. और, सुल्तानगंज–अगुवानी गंगा पुल का ढांचा तीसरी बार गिरा। सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच आरोप–प्रत्यारोप का दौर जारी।

———————————————————

कोलकाता मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या के विरोध में भारतीय चिकित्सक संघ, आईएमए के देशव्यापी हडताल के कारण राज्य के सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवा गंभीर रूप से प्रभावित हुयी है। राज्य मेडिकल कॉलेज के जूनियर और रेजिडेंट डॉक्टरों ने कार्यस्थल पर चिकित्सकों की सुरक्षा को लेकर काम ठप कर दिया है। पटना एम्स, पीएमसीएच, एनएमसीएच और इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, आईजीआइएमएस समेत प्रमुख अस्पतालों में ओपीडी सुविधाओं के बंद होने के कारण मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई अस्पतालों में आपातकालीन सेवाओं पर भी असर पड़ा है।

———————————————————

हमारे संवाददाताओं ने खबर दी है कि चिकित्सकों की हड़ताल से जिला अस्पतालों में भी स्वास्थ्य सेवा प्रभावित हुयी है। बेतिया के जीएमसीएच अस्पताल समेत विभिन्न अस्पतालों में आउट डोर सेवा पूरी तरह बंद रहा। दरभंगा में चिकित्सकों ने जुलूस निकाल कर अपना आक्रोश व्यक्त किया। मधुबनी में चिकित्सकों और मेडिकल छात्र तथा छात्राओं ने विरोध प्रदर्शन किया। मुंगेर में आईएमए से जुड़े डॉक्टरों ने बैठक कर कोलकाता के मेडिकल छात्रा से दुष्कर्म के दोषियों को फांसी की सजा दिये जाने की मांग की। बेगूसराय में राजकीय अयोध्या शिव कुमारी आयुर्वेद महाविद्यालय के छात्रों

ने विरोध मार्च निकाला। इधर, भागलपुर में भी आई एम ए के हड़ताल का असर सदर अस्पताल, जवाहलाल मेडिकल कॉलेज अस्पताल, सहित डॉक्टरों के निजी क्लीनिक पर भी दिखाई दिया। सारण में भी चिकित्सकों ने आइएमए की हड़ताल के समर्थन में ओपीडी सेवा ठप रखी। हालांकि, इमरजेंसी सेवाएं चालू रखी गईं।

————————————————————

डॉक्टरों की हड़ताल से मरीजों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। दूर–दराज से आये मरीज इलाज के अभाव में लौट रहे हैं।

———बाईट———

————————————————————

भारतीय जनता पार्टी ने पश्चिम बंगाल सरकार पर आरोप लगाया कि वह उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है जो इस घटना के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। नई दिल्ली में मीडिया को जानकारी देते हुए पार्टी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस सरकार ने तैंतालीस डॉक्टरों का तबादला कर दिया है, जो न्याय के लिए आवाज उठा रहे थे।

———बाईट———

ये तालिबानी फतवा है पश्चिम बंगाल की सरकार का जो मीडिया के माध्यम से ही मुझे प्राप्त हुआ कि किस प्रकार से इस बेटी के लिए न्याय के लिए आवाज़ उठाने वाले 43 डॉक्टर्स को पश्चिम बंगाल की सरकार ने ट्रांसफर करने का निर्देश दे दिया। ट्रांसफर उनकी कहीं दूरदराज इलाकों में भी की गई और मैं केवल ये नहीं कह रहा हूं यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट एसोसिएशन ने भी ट्वीट करके कहा है

————————————————————

केन्द्रीय मंत्री और हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा के संरक्षक जीतन राम मांझी ने कहा है कि कोलकाता में डॉक्टर के साथ दुष्कर्म की घटना मामले में राज्य सरकार ने जिम्मेदारी का आरोप लगाया है। उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर ऐसे मामलों में भी राजनीति करने का आरोप लगाया। श्री मांझी ने इस मामले में केन्द्र सरकार से हस्तक्षेप की अपील की है।

———बाईट———

————————————————————

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने प्रदर्शनकारी डॉक्टरों को उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करने का आश्वासन दिया है। मंत्रालय ने व्यापक जनहित में डॉक्टरों से कार्य पर लौटने का आग्रह भी किया है। मंत्रालय ने कहा है कि स्वास्थ्य पेशेवरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उपायों पर सुझाव देने के लिए एक समिति बनाई जाएगी। नई दिल्ली में आज फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन, और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन समेत अनेक संगठनों के प्रतिनिधियों ने केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री से मुलाकात की। मंत्रालय ने प्रतिनिधियों की मांगों को सुना और उन्हें स्वास्थ्य पेशेवरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करने का आश्वासन दिया है।

————————————————————

भागलपुर जिले में गंगा नदी पर बन रहे सुल्तानगंज–अगुवानी घाट पुल का एक हिस्सा ढह कर आज गंगा नदी में समा गया। जानकारी के अनुसार सुबह पिलर संख्या– नौ के ऊपर का ढांचा अचानक गिर गया। ये लगातार तीसरी बार है जब इस निर्माणाधीन पुल का ढांचा गिरा है। इसे लेकर विपक्ष ने सवाल उठाए हैं। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने कहा कि राज्य सरकार पुल निर्माण में भ्रष्टाचार पर नियंत्रण नहीं रख पा रही है। उन्होंने कहा कि जब पहली बार पुल का ढांचा गिरा था, तब इसे पूरी तरह तोड़ कर नए सिरे से पुल निर्माण का निर्णय लिया गया था। लेकिन बिना जांच रिपोर्ट आए ध्वस्त पुल के हिस्से पर ही निर्माण कार्य फिर से शुरू कर दिया गया। उन्होंने इसे गंभीर लापरवाही बताते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मां की है। इधर, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि पुल ढहने की घटना गंभीर मामला है। उन्होंने कहा कि इस मामले में दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

———बाईट———

वहीं, जदयू के वरिष्ठ नेता और राज्य सरकार में मंत्री अशोक कुमार चौधरी ने कहा कि तकनीकी कारणों से इस पुल के साथ लगातार घटनाएं हो रही हैं, जिसकी जांच की जानी चाहिए।

———बाईट———

————————————————————

आकाशवाणी समाचार से प्रसारित होने वाले प्रति घंटा समाचार बुलेटिनों के प्रसारण क्रम को संशोधित किया गया है। यह संशोधन अठारह अगस्त को मध्यरात्रि बारह बजे से प्रभावी होगा। इस बदलाव के बाद पांच मिनट के हिन्दी के सभी समाचार बुलेटिन का प्रसारण पहले होगा, उसके बाद पांच मिनट के अंग्रेजी समाचार बुलेटिन प्रसारित किये जायेंगे।

————————————————————

प्रदेश के विभिन्न भागों में पिछले दो दिनों के दौरान कम बारिश के कारण विभिन्न नदियों के जलस्तर में कमी की प्रवृति देखी जा रही है। वहीं, बाढ़ प्रभावित इलाकों में भी हालात बेहतर हुए हैं। हमारे खगड़िया संवाददाता ने बताया कि जिले के परबत्ता और गोगरी प्रखंड के कई गांवों में बाढ़ से जन–जीवन प्रभावित है। हालांकि तटबंध पूरी तरह सुरक्षित हैं। एक रिपोर्ट––

———बाईट———

जिले के परबत्ता और गोगरी प्रखंड के कई तटवर्ती इलाके गंगा के जलस्तर में हुई वृद्धि के बाद बाढ़ से प्रभावित हैं। परवत्ता के विधायक डॉ संजीव कुमार ने पिछले दिनों बाढ़ प्रभावित तेमथा करारी, जोरवारपुर, रामपुर, गोगरी पंचायत के कई बाढ़ प्रभावित गांवों का जायजा लिया। इधर खगड़िया सदर प्रखंड के रहीमपुर मध्य पंचायत के कई इलाके गंगा और गंडक में आई बाढ़ से प्रभावित है। एक बड़ी आबादी पानी से घिरी हुयी है। मवेशियों के लिए चारा का इंतजाम भी मुश्किल से हो रहा है। हालांकि नदियों के जलस्तर में वृद्धि का सिलसिला फिलहाल थमा हुआ है। तटबंध भी सुरक्षित हैं। बाढ़ नियंत्रण विभाग के अभियंता और संबंधित प्रखंड के अधिकारी चौकसी बरत रहे हैं। आकाशवाणी समाचार के लिए खगड़िया प्रभात सुमन।

इधर, मुंगेर जिले में गंगा नदी के जलस्तर में कमी दर्ज की गयी है। जिससे बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में हालात सुधर रहे हैं। और ब्योरा के साथ मौजूद हैं हमारे संवाददाता––

———बाईट———

जिले में पिछले तीन दिनों से गंगा के जलस्तर में कमी देखी जा रही है। हालांकि उत्तरी प्रदेशों में बारिश के कारण नदी का जलस्तर अगले एक दो दिनों में चेतावनी स्तर 38.33 मीटर के करीब पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। सदर प्रखंड की गंगा पार तीन पंचायतें जाफरनगर, कुतलुपुर और टिकारामपुर अभी भी बाढ़ के पानी से घिरा हुआ है। इन पंचायतों में आंगनवाड़ी केंद्र व स्कूल बाढ़ के पानी में डूब जाने के कारण अध्ययन– अध्यापन बाधित है। प्रभावित इलाकों में प्रशासन की ओर से नाव की व्यवस्था की गयी है। जिलाधिकारी अवनीश कुमार सिंह ने बताया की गंगा के जलस्तर में लगातार कमी हो रही है। जिन इलाको में बाढ़ का पानी निकल रहा है उन इलाको में महामारी ना फैले इसे लेकर स्वास्थ विभाग द्वारा बिलीचिंग पाउडर का छिड़काव किया जा रहा है। आकाशवाणी समाचार के लिए मुंगेर से प्रशांत कुमार सिंह।

वहीं, सहरसा जिले में भी बाढ़ के हालात में सुधार है। हालांकि कोसी नदी का जलस्तर बढ़ा है। जिससे लोगों को हालात बिगड़ने की आशंका फिर सता रही है। एक रिपोर्ट––

———बाईट———

कोसी नदी में जलस्तर बढ़ा है जिस कारण जिले के विभन्न पंचायत में बाढ़ के पानी जमा होने से लोगों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। डरहार पंचायत के बरहरा गांव में बिजली के पोल तक नदी का पानी पहुंच चुका है, जिस कारण बिजली के गुल होने का खतरा मंडरा रहा है। बाढ़ का पानी फैलने से सलखुआ प्रखंड के दियारावासी को आवाजाही में परेशानी हो रही है। प्रशासन की तरफ से राहत कार्य जारी है। आकाशवाणी समाचार के लिए सहरसा से आरती कुमारी।

———————————————————

राज्य के दक्षिण–पूर्व और उत्तर–पूर्व भागों में बंगाल की खाड़ी के करीब वाले भागों में चक्रवातीय परिसंचरण की स्थितियां तैयार हो रही है। जिसके प्रभाव से अगले अड़तालीस घंटों के दौरान इन क्षेत्रों में कई स्थानों पर बारिश की संभावना है। वहीं, पश्चिम चंपारण, गोपालगंज और सीवान समेत राज्य के उत्तर–पश्चिम भाग में अनेक स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। मौसम विज्ञान केन्द्र, पटना के वैज्ञानिक ने बताया कि अगले चौबीस घंटों के दौरान राज्य के उत्तर–मध्य और पश्चिमी भागों में कुछ स्थानों पर मेघ गर्जन और वज्रपात की आशंका है। उन्होंने कहा कि इस सप्ताह राज्य के अधिकतर भागों में मध्यम स्तर की वर्षा की संभावना है।

———————————————————

बेगूसराय जिले के बखरी थाना क्षेत्र अन्तर्गत शकरपुरा में अपराधियों ने एक सीएसपी संचालक से दो लाख उनसठ हजार रूपये लूट लिये। जानकारी के अनुसार लूट की घटना को मोटरसाईकिल सवार तीन अपराधियों ने अंजाम दिया है। पुलिस घटना स्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन कर रही है।

———————————————————

महाराष्ट्र के औरंगाबाद में अठारह अगस्त से शुरू हो रहे इक्तालीसवें नेशनल जूनियर ताइक्वांडो चैम्पियशीप में बेगूसराय के तीन बालिका समेत छह खिलाड़ी भाग ले रहे हैं।

———————————————————

पूर्व आईएएस अधिकारी गोरखनाथ  कांग्रेस में शामिल हो गये हैं। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने पटना में पार्टी कार्यालय में आयोजित समारोह में उन्हें पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई।

———————————————————

भागलपुर में अंग संस्कृति से जुड़े बिहुला विषहरि पूजा का आज पूरे श्रद्धा और उल्लास के साथ आयोजन किया जा रहा है।

———————————————————

और अब अंत में मुख्य समाचार, एक बार फिर....

01. कोलकाता में महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या के विरोध में डॉक्टरों की देशव्यापी हड़ताल से स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ा व्यापक असर।

02. पटना एम्स, पीएमसीएच, एनएमसीएच समेत राज्य के विभिन्न अस्पतालों में ओपीडी सेवा ठप। इलाज नहीं होने के कारण मरीज और उनके परिजन पेरशान।

03. केन्द्र सरकार ने प्रदर्शनकारी डॉक्टरों को उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया। व्यापक जनहित में डॉक्टरों से कार्य पर लौटने की अपील की।

04. और, सुल्तानगंज–अगुवानी गंगा पुल का ढांचा तीसरी बार गिरा। सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच आरोप–प्रत्यारोप का दौर जारी।

———————————————————

इसके साथ ही आकाशवाणी, पटना से प्रसारित प्रादेशिक समाचार का ये अंक समाप्त हुआ।